

लीबिया में मिला गैस और तेल का भंडार

गदामेस बेसिन में बड़ी खोज, भारत को मिलेगा रणनीतिक फायदा

नई दिल्ली, 28 अप्रैल: भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक बड़ी उपलब्धि सामने आई है, जहां लीबिया के गदामेस बेसिन में भारतीय कंपनियों को तेल और गैस का नया भंडार मिला है। इसे देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।



वैश्विक ऊर्जा संकट और पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच भारत के लिए एक राहत की खबर सामने आई है। लीबिया के गदामेस बेसिन में भारतीय कंपनियों द्वारा तेल और गैस का नया भंडार खोजा गया है, जो देश की ऊर्जा जरूरतों को सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने इस खोज की आधिकारिक जानकारी साझा करते हुए इसे भारतीय ऊर्जा क्षेत्र की बड़ी सफलता बताया है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भी इस उपलब्धि पर खुशी जताई और परियोजना में शामिल कंसोर्टियम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह खोज न केवल व्यावसायिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा रणनीति को भी मजबूती प्रदान करेगी।

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का एक बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है। ऐसे में विदेशों में ऊर्जा संपत्तियों में निवेश और नई खोजें देश की ऊर्जा सुरक्षा को सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। यह खोज उसी दिशा में उठाया गया एक मजबूत कदम है। मंत्रालय ने कहा कि यह सफलता भारतीय कंपनियों के वैश्विक विस्तार और तकनीकी क्षमता का प्रमाण है। साथ ही, यह अंतरराष्ट्रीय सहयोग और साझेदारी के महत्व को भी रेखांकित करती है। भारत लगातार विभिन्न देशों में ऊर्जा परियोजनाओं में निवेश कर अपनी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने का प्रयास कर रहा है।



नायडू-वैष्णव ने गूगल एआई हब शुरू किया

विशाखापत्तनम, 28 अप्रैल. आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को गूगल क्लाउड इंडिया एआई हब की नींव रखी।

इस एआई हब में गूगल करीब 15 अरब डॉलर निवेश करेगा, जो कि देश के इतिहास में आया अब तक का सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) है।

भूमि पूजन समारोह में बोलते हुए चंद्रबाबू नायडू ने गूगल और परियोजना में उसके साझेदारों, अदाणीकनेक्स और एयरटेल नेक्सटा से सितंबर 2028 तक परियोजना को पूरा करके उद्घाटन करने का आग्रह किया। साथ ही, उन्होंने परियोजना के शीघ्र पूरा होने के लिए राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने आगे कहा कि गूगल का यह निवेश विशाखापत्तनम के लिए ही नहीं, बल्कि पूरे राज्य के लिए एक गेम चेंजर है।



सोना चांदी में आई गिरावट

2,600 रुपए सस्ता हुआ सोना
148 हजार रुपए आई चांदी

नई दिल्ली, 28 अप्रैल. सोना 1,49,557 प्रति 10 ग्राम और चांदी 2,38,339 प्रति किलो पर आ गई है। दोनों की कीमतों में आज बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। सोना अपने ऑल टाइम हाई से करीब 26 हजार सस्ता हो चुका है, जबकि चांदी भी अपने उच्चतम स्तर से तेज गिरावट के बाद काफी नीचे आ गई है।

करीब 1,51,000 के स्तर पर थीं। वहीं चांदी की कीमत में भी तेज गिरावट दर्ज की गई और यह 75,381 टूटकर 2,38,339 प्रति किलो रह गई, जबकि पिछले सत्र में यह 2,49,000 के करीब थी। हाल के हफ्तों में सोने में आई तेजी अब मुनाफावसूली के दबाव और वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाओं के चलते कमजोर पड़ रही है। ईरान-क्षेत्र में तनाव और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों ने सुरक्षित निवेश से निकासी शुरू कर दी है, जिससे कीमतों पर दबाव बढ़ा है।

उन्होंने याद करते हुए कहा कि 30 साल पहले, जब उन्होंने साइबराबाद को एक आईटी सिटी के रूप में स्थापित करने की नींव रखी थी, अब वह वेलथ क्रिएशन का केंद्र बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह एशिया का सबसे बड़ा डेटा सेंटर होगा और आंध्र प्रदेश देश के लिए एआई डेटा गेटवे के रूप में उभरेगा। उन्होंने कहा, 'गूगल, जिसने एक सर्च इंजन के रूप में शुरूआत की थी, अब भारत के विकास का इंजन बन रहा है।

मदर डेयरी ने की नए उत्पाद पेश करने की घोषणा

नयी दिल्ली, 28 अप्रैल मदर डेयरी ने इस बार गर्मी के सीजन में 30 से अधिक नये उत्पाद बाजार में उतारने की मंगलवार को घोषणा की और कहा कि इससे उससे प्रमुख श्रेणियों में कारोबार 30 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है।



आकर्षक विकल्प पेश करते हैं। आइसक्रीम सेगमेंट में ब्रांड लगभग 20 नये उत्पाद ला रहा है।

कंपनी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इन मूल्य-वर्द्धित उत्पादों को पूरे सीजन के दौरान चरणबद्ध तरीके से बाजार में उतारा जायेगा। इंडलेंस, सेहत, सुविधा और क्षेत्रीय पसंद जैसे प्रमुख पहलुओं पर आधारित ये उत्पाद हर उम्र के उपभोक्ताओं और बदलती जीवनशैली के लिए विविध और

कंपनी अपने यूएचटी दूध पोर्टफोलियो का भी विस्तार करेगी, जिसमें काउ मिलक और स्टैंडर्डिज़्ड मिल्क को जन्म पूर्व कश्मीर जैसे बाजारों में पेश किया जायेगा, ताकि सुविधाजनक और लंबी शेल्फ-लाइफ वाले विकल्पों की बढ़ती मांग पूरी की जा सके।

ऑस्ट्रेलिया ने की टेक कंपनियों पर सख्ती

नई दिल्ली, 28 अप्रैल. ऑस्ट्रेलिया सरकार ने बड़ी टेक कंपनियों पर शिकंजा कसने के लिए नया प्रस्ताव पेश किया है। इसके तहत मेटा, गूगल और टिकटॉक को समाचार सामग्री के उपयोग के बदले स्थानीय मीडिया संस्थानों को भुगतान करना होगा। सरकार के 'न्यूज़ बॉरिंगिंग इंसेंटिव' प्रस्ताव के अनुसार, यदि ये कंपनियां स्थानीय समाचार प्रकाशकों के साथ व्यावसायिक समझौता नहीं करती हैं, तो उनकी देश में होने वाली कमाई पर 2.25 प्रतिशत कर लगाया जाएगा। इस कर से जुटाई गई राशि का उपयोग ऑस्ट्रेलिया में पत्रकारिता को आर्थिक सहायता देने के लिए किया जाएगा। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने इसे राष्ट्रीय हित में उठाया गया कदम बताया है। उनका कहना है कि बड़ी टेक कंपनियां समाचारों के जरिए भारी कमाई करती हैं, इसलिए उन्हें इस व्यवस्था में उचित योगदान देना चाहिए।

कच्चे तेल की कीमत 109 डॉलर के पार

महंगे तेल और होर्मुज तनाव से निवेशकों की चिंताएं बढ़ीं
ब्रेंट क्रूड 1.08 डॉलर बढ़कर 102.77 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा



नई दिल्ली, 28 अप्रैल. पश्चिम एशिया में ईरान युद्ध को समाप्त करने की कूटनीतिक वार्ताओं में बाधा आने के बाद एशियाई शेयर बाजारों में सोमवार को व्यापक गिरावट देखने को मिली। कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और ऊर्जा आपूर्ति पर दबाव ने निवेशकों को जोखिम उठाने की क्षमता को प्रभावित किया।

डॉलर बढ़कर 109.34 डॉलर प्रति बैरल हो गया। इसी तरह जुलाई अनुबंध वाला ब्रेंट क्रूड 1.08 डॉलर बढ़कर 102.77 डॉलर प्रति

होर्मुज जलडमरूमध्य, जो एशिया के लिए एक प्रमुख तेल मार्ग है, के बंद होने की आशंका ने कच्चे तेल की कीमतों को तेजी से ऊपर धकेल दिया। जून डिलीवरी वाले ब्रेंट क्रूड का भाव 1.11

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल का सीधा असर एशियाई शेयर बाजारों पर देखने को मिला, जहां निवेशकों ने जोखिम से दूरी बनाते हुए बिकवाली का रुख अपनाया। जापान का निक्केई, हांगकांग का हांग सेंग और शंघाई कंपोजिट जैसे प्रमुख सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि महंगे ऊर्जा आयात की चिंता ने बाजार की धारणा को कमजोर किया। हालांकि, दक्षिण कोरिया का कोसी सीमित बढ़त के साथ अलग रुख दिखाता नजर आया, लेकिन कुल मिलाकर क्षेत्रीय बाजार दबाव में रहे और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशक सतर्क बने हुए हैं।

बैरल पर पहुंचा। अमेरिकी क्रूड 96 सेंट की बढ़त के साथ 97.33 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। युद्ध शुरू होने से पहले ब्रेंट क्रूड लगभग 70 डॉलर प्रति बैरल पर था और संघर्ष के दौरान यह 120 डॉलर तक पहुंच चुका था। तेल की कीमतों में यह उतार-चढ़ाव विशेष रूप से उन देशों के लिए चिंता का विषय है जो ऊर्जा आयात पर अत्यधिक निर्भर हैं, जैसे कि जापान और अन्य एशियाई अर्थव्यवस्थाएं।

संबंधों में बोलते हुए केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि एक देश के रूप में भारत कई तकनीकी विकास चक्रों से चूक गया है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विजन है कि भारत नई तकनीकी विकास प्रक्रिया में अग्रणी भूमिका निभाए। उन्होंने कहा कि 1990 के दशक और 2000 के शुरुआती वर्षों में की गई पहलों के बदेनाल भारत आईटी सेवाओं का अग्रणी बन गया, लेकिन सेमीकंडक्टर, सर्वर, लैपटॉप और मोबाइल फोन के निर्माण में पिछड़ गया। हालांकि, मेक इन इंडिया पहल के शुभारंभ के साथ पिछले एक दशक में स्थिति पूरी तरह बदल गई है।

समाचार विशेष

जदयू में 3 नंबर पर पूर्व सांसद चंद्रवंशी

नीतीश कुमार ने बढ़ाया आबीसी नेता का कद

पटना. जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने संगठन में अहम फेरबदल करते हुए जहानाबाद के पूर्व सांसद चंद्रेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी को बड़ा दायित्व सौंपा है। पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया है, जिससे उनका सियासी कद एक बार फिर बढ़ गया है। पार्टी में अब उनका स्थान शीर्ष नेतृत्व में गिना जा रहा है।



संगठन में उनकी भूमिका बेहद अहम मानी जा रही है। दिलचस्प बात यह है कि चंद्रवंशी को हाल के चुनावों में हार

का सामना करना पड़ा था, लेकिन इसके बावजूद पार्टी ने उन पर भरोसा जताया है। 2024 लोकसभा चुनाव में उन्हें राजद के सुरेंद्र प्रसाद यादव से हार मिली तो 2025 विधानसभा चुनाव में राजद के ही राहुल कुमार ने महज 793 वोटों से शिकस्त दी।

कौन हैं चंद्रेश्वर प्रसाद चंद्रवंशी?

पटना जिला के नदावं की मूल निवासी चंद्रेश्वर प्रसाद के पिता स्वतंत्रता सेनानी थे। राजनीति से पहले चंद्रवंशी कोयला कारोबार से जुड़े रहे। समता पार्टी से राजनीतिक शुरुआत की। 2013 में जडीयू अतिपिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष बनाए गए। ओबरा विधानसभा सीट से चुनाव भी लड़े। वे विधान परिषद के अलावा बाल श्रमिक आयोग के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। 2019 में जहानाबाद से लोकसभा सांसद चुने गए। चंद्रवंशी को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाना सिर्फ पद देना नहीं, बल्कि आगे की राजनीति के लिए रणनीतिक संकेत है। जेडीयू अब ऐसे नेताओं को आगे ला रहा है जो जमीन पर सक्रिय ही और सामाजिक समीकरण साध सकें।

यूपी का मंत्रिमंडल विस्तार कब होगा?

लखनऊ. यह ऐसा प्रश्न बन गया है, जिसका कोई जवाब नहीं दे पा रहा है। 2022 में सरकार बनने के बाद से पिछले चार साल में योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल में कोई बदलाव नहीं हुआ है। एकाध वैकेंसी होने पर मंत्री बनाना या एकाध विभाग बदलना अलग बात है। लेकिन चार साल से ज्यादा समय तक मंत्रिमंडल में बदलाव नहीं होना भी एक अनहोनी सी बात है।

उपर से इसे लेकर ज्यादा चर्चा बस वजह से भी है कि हर दो या तीन महीने पर



मंत्रिमंडल में बदलाव की चर्चा होती है और फिर चर्चा रूक जाती है। पिछले दिनों ऐसा लगा था कि

अब निश्चित रूप से मंत्रिमंडल का विस्तार होगा। दिल्ली और लखनऊ के बीच भागदौड़ शुरू हो गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंत्रिमंडल में फेरबदल की मंजूरी दे दी है। गौरतलब है कि अगले साल मार्च में विस चुनाव है। नए सिरे से जातीय समीकरण साधने का प्रयास होता है तब भी मंत्रियों को काम करने के लिए समय मिलना चाहिए।

विशेष राजनीति की बारीकियां खुद

सखा रहे नीतीश कुमार

जनता की डिमांड बनने की तैयारी में निशांत

पटना. जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार या फिर उनके पुत्र निशांत कुमार ने भले राज्य सरकार के मंत्रिपरिषद में जाने से इनकार कर दिया हो पर सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाने से, अपने चाहने वाले, अपने समर्थक या फिर पार्टी की मजबूत भविष्य को संवारने से इनकार नहीं किया है।



राजनीति का पाठ किताबों से नहीं बल्कि समाज के सरकारों के रास्ते पढ़ा रहे हैं। सीएम पद छोड़ने के बाद स्थिति यह है कि पिता पुत्र के बीच बॉन्डिंग काफी बढ़ गई है और नीतीश कुमार भी निशांत के लिए काफी समय निकाल रहे हैं। वैसे भी नीतीश कुमार राजनीति के चाणक्य

यू ही नहीं करार दिए गए हैं। दरअसल, नीतीश कुमार फिलहाल राजनीति में प्री-कॉशन रख कर निशांत कुमार को एक जिम्मेदार जग नेतृत्व की बागडोर ले तो इसके पहले टीम निशांत के कुछ विधायक को मंत्रिमंडल में भी शामिल कराया जाएगा।

को मजबूती से पकड़े। क्या चाहते हैं नीतीश कुमार!- नीतीश कुमार राजनीति को जबरन निशांत कुमार के सिर पर थोपना नहीं चाहते हैं। साथ ही साथ वे अन्य नेता पुत्रों की तरह निशांत कुमार की एंट्री भी नहीं चाहते हैं। वे चाहते हैं बिहार की जनता को डिमांड निशांत कुमार बने। ऐसा इसलिए भी कि उन पर परिवारवाद का वह स्वरूप न दिखे जो अन्य नेता पुत्रों के राजनीति में आने पर दिखा है। निशांत कुमार जग नेतृत्व की बागडोर ले तो इसके पहले टीम निशांत के कुछ विधायक को मंत्रिमंडल में भी शामिल कराया जाएगा।

बढ़ा रहे हैं इंटरवशन

राजनीति के माहिर खिलाड़ी नीतीश कुमार अपने पुत्र निशांत के लिए काफी मजबूत आधार बनाने में जुट गए हैं। और इसके लिए निशांत कुमार के इंटरवशन के ज्यादा से ज्यादा अवसर उपलब्ध करा रहे हैं। कुछ दिन पहले प्रवक्तों के साथ बैठक कर बिहार की राजनीति की नब्ज पकड़ने की कोशिश की। इसर निशांत कुमार पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ संगठन को लेकर लगातार मंथन पर मंथन कर रहे हैं और लगातार जिलों के कार्यकर्ताओं से भी मिल रहे हैं।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है)
(CIN:L65110TN2014PLC087792)
रजिस्टर्ड ऑफिस: के आरएम टॉवर्स, 88वां तल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चेन्नई-600031
फोन: +914445644000, फैक्स: +914445644022

संविदा आरंभ के प्रतिभूति तथा पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के अंतर्गत सूचना

क्र. सं.	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	धारा 13 (2) नोटिस के दिनांक	धारा 13 (2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि
1	78419709	संपत्ति के बदले ऋण	13.04.2026	8,31,533,26/-

उपरोक्त और सह-उपरोक्तों के नाम: 1. घामीराम विश्वकर्मा 2. राधामुनी विश्वकर्मा

संपत्ति का पता: 2000 वर्ग फुट (185.87 वर्ग मीटर) के कुल क्षेत्रफल वाली, 50 फुट x 40 फुट आकार की वह भूखंड और निर्मित मकान संपत्ति, जो गव आबादी, सवेधन संख्या 202, गांव नानाचरखेड़ी, तहसील सोनकच्छ, जिला देवास, मध्य प्रदेश-455115 में स्थित है, और जिसको सीमाएँ इस प्रकार हैं: पूर्व में श्री फूल सिंह का मकान, पश्चिम में श्री कन्हैया लाल का मकान, उत्तर में रास्ता और दक्षिण में श्री उदय सिंह का मकान।

आपको उपरोक्त तालिका में दर्शाए गए विवरण के अनुसार आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामिलित तथा वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को संबंधित ऋणों से अनुबंधित ब्याज दर तथा अन्य लागत, प्रभार आदि के साथ इस प्रकाशन की तिथि से 60 दिनों के भीतर राशि का भुगतान करने के लिए कहा जाता है, अन्यथा नीचे दस्तावेजों में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामिलित तथा वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को देय राशि वसूलने के लिए ऊपर उल्लिखित संबंधित संपत्तियों के विपक्ष एएएआरएफएडिएसआर अधिनियम की धारा 13 (4) तथा धारा 14 के अंतर्गत कार्यवाही आरंभ करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामिलित तथा वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) इसके अलावा, आपको उक्त अधिनियम की धारा 13 (13) के तहत विक्री/पट्टे या अन्यथा के माध्यम से उक्त संपत्ति परिसंपत्तियों को स्वयंसेवागत करने से प्रतिबंधित किया गया है।

एसीडी - प्राधिकृत अधिकारी तिथि: 29.04.2026
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है)
स्थान: मध्यप्रदेश